6 जुलाई, 2017

विश्व मामलों की
भारतीय परिषद

मुद्दा सार

चीन के दो अधिवेशन: प्रमुख अवलोकन

डॉक्टर अविनाश गोडबोले

मार्च 2017 के प्रारंभ में चीन में दो प्रमुख अधिवेशनों, नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की वार्षिक बैठक तथा चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कान्फ्रेंस (सीपीपीसीसी) की राष्ट्रीय समिति की बैठकों का आयोजन किया गया था। ये बैठक इसलिए महत्त्वपूर्ण थी, क्योंकि इनमें अगले वर्ष के लिए महत्त्वपूर्ण नीतिगत प्राथमिकताओं की चर्चा की गई थी। इस वर्ष की बैठकों की पृष्ठभूमि में सर्वप्रथम, आगामी पार्टी कांग्रेस, दूसरा, चीन में चल रही आर्थिक मंदी तथा मात्र 6 प्रतिशत की वृद्धि दर तथा तीसरा तेजी से बदलते वैश्विक माहौल तथा स्थिरता एवं घरेलू नीतिगत परिदृश्यों पर उसके प्रभाव जैसे मुद्दे थे। इस वर्ष के एनपीसी में प्रीमियर ली केकियांग द्वारा पेश किए गए कार्य रिपोर्ट में उभर कर सामने आए कोर क्षेत्रों में आर्थिक स्थिरता एवं समृद्धि, व्यापक शासन सुधार की आवश्यकता तथा बेहतर प्रदर्शन एवं वितरण हेतु वित्त एवं अर्थव्यवस्था शामिल हैं। निम्नलिखित अनुभागों में सूचिबद्ध क्षेत्रों से संबंधित कुछ परिणामों की चर्चा अधिक विस्तार से की जाएगी।

- **कोर नेता के रूप में शी (XI) की पुनरावृत्ति तथा शी की महत्त्वपूर्ण बैठक**

कम से कम तीन अवसरों पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग का उल्लेख पार्टी के कोर नेता के रुप में हुआ है तथा पार्टी कांग्रेस के वर्ष में समेकित रुप से मुख्य नेतृत्व को

समर्थन देने की आवश्यकता है। 17 प्रमुख कार्यों में, जिन्हें सरकार ने 2017 के लिए सूचीबद्ध किया है, "उनमें पार्टी केंद्रीय समिति के नेतृत्वकर्ता के रूप में कॉमरेड शी जिनपिंग प्रमुख हैं"। यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि शी जिनपिंग चीन के कुल 12 प्रभावी गवर्नेंस समूहों के प्रमुख हैं तथा यह स्थान उन्हें अत्यधिक शक्ति प्रदान करता है।

शी जिनपिंग ने विभिन्न प्रांतों तथा संगठनों के प्रतिभागी प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैठकें की। शंघाई से एनपीसी प्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि "चीन का खुला द्वार पुन: बंद नहीं होगा" तथा उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सुधार तथा नवाचार को आगे बढ़ाएं एवं विश्व के बाकी देशों के समक्ष एक उदाहरण पेश करें। उन्होंने कहा कि नवाचार वर्तमान में आर्थिक विकास में नवीन सामान्य तथा आपूर्ति पक्ष सुधार में निर्णायक है। यह अपील फरवरी माह में इस प्रकार की बैठक के बाद शीघ्र आया है, जब शी ने प्रांतीय अधिकारियों को उस वक्त ये कहते हुए अंकुशित किया था कि "सबसे भारी बोझ का चयन करो तथा सबसे मुश्किल दिक्कतों को सुलझाओ," जब वे आर्थिक तथा सामाजिक विकास पाने की कोशिश कर रहे थे।

पीएलए प्रतिनिधियों के साथ बैठक में शी ने नागरिक-सैन्य संबंधों को गहन बनाने को कहा तथा उच्च स्तरीय तकनीक में नवाचार को सैन्य उन्नयन की कुंजी के रुप में चिन्हित किया। उन्होंने नवीन केंद्रीय आयोग को एकीकृत नागरिक तथा सैन्य विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया, जो केंद्रीकृत तथा एकीकृत नेतृत्व हेतु अनिवार्य है। इसके अलावा राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सिचुआन प्रांत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। विकास एवं गरीबी का व्यापक उन्मूलन इस बैठक के मुख्य बिंदु थे। उन्होंने इस बैठक में कहा कि चीन के दीर्घकालीन प्रभावों वाली गरीबी से राहत तंत्र की आवश्यकता है। साथ ही गरीबी में कमी लाने के लिए औपचारिकताओं को भी शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रतिनिधियों को लक्ष्य 2020 में शामिल गरीबों की सूची से सभी काउंटियों को निकालने तथा ग्रामीण गरीबी को व्यापक तरीके से नियंत्रित करने के लक्ष्यों की भी याद दिलाई। लियोनिंग प्रांत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में शी ने उत्तर-पूर्व चीन के विकास

के लिए एसओई सुधारों एवं उत्पादन की वास्तविक अर्थव्यवस्था पर बल दिया। शी ने कहा कि लियोनिंग के पुनर्जीवन के लिए आपूर्ति का पहलू अपरिहार्य था। उन्होंने प्रांतीय नेताओं से सुधार में प्रगति करने एवं औद्योगिक क्षेत्र को पुनर्जीवित करने का आग्रह किया।

संक्षेप में, राष्ट्रपति शी की प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठकों तथा उनके संदेशों में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के सभी वर्गों में सुधार की कोर प्राथमिकताओं, एकता, विकास एवं चीन के शासन में दलों की केंद्रीयता का पालन करने की आवश्यकता है। उनके क्रियान्वयन के बिना, दो शताब्दी के लक्ष्य (2021 तक एक मध्यम समाज का निर्माण तथा 2049 तक एक उन्नत समाजवादी बाजार अर्थव्यवस्था का निर्माण) के लिए प्रस्तावित विभिन्न लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं। इन दोनों में पहला तो सिर्फ पांच वर्ष दूर है।

- **सीपीपीसीसी फोरम सारांश**

सीपीपीसीसी के अध्यक्ष यू झेंगसेंग ने 12वीं सीपीपीसीसी के पांचवें सत्र में सीपीपीसीसी नेशनल स्टैंडिंग कमेटी के काम पर एक रिपोर्ट सौंपी। इस सत्र में 12 राजनीतिक दलों तथा प्रमुख संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 2000 सीपीपीसीसी सदस्यों ने भाग लिया। सीपीपीसीसी के दो तिहाई सदस्य चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के हैं। राजनीतिक सलाहकारों के लिए यू के कार्य रिपोर्ट का केंद्रीय भाव यह था कि सीपीसी के केंद्रीय नेतृत्व से सतर्कतापूर्वक जुड़कर रहें तथा सीपीसी की केंद्रीय समिति, जिसके कोर में शी जिनपिंग हैं के चारों ओर एकता पूर्वक जुड़कर रहें, ताकि सीपीसी केंद्रीय समिति के निर्णयों एंव नीतियों को लागू किया जा सके। 'यू' ने यह भी कहा कि 13वीं पंचवर्षीय परियोजना के कार्यों एवं लक्ष्यों को कार्यान्वित करना एक प्रमुख लक्ष्य था। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि सीपीपीसीसी को राष्ट्र के “नए आर्थिक परिवेश” के अनुरूप ढ़ालने एवं स्थायी एवं स्वस्थ विकास की दिशा में मार्गदर्शित करने के लिए कार्य करना चाहिए।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सीपीपीसीसी गोलमेज सम्मेलन में अन्य राजनीतिक दलों जैसे, चीन पीजेंन्ट्स एंड वर्कर्स डेमोक्रेटिक पार्टी, चीन एसोसिएशन फॉर प्रमोटिंग डेमोक्रेसी एवं ज्यू सॉन सोसायटी पार्टी के साथ भाग लिया। इस गोलमेज सम्मेलन के दौरान उन्होंने बौद्धिक तथा अभिजात्य वर्गों से राष्ट्रीय कायाकल्प, समृद्धि तथा लोगों के कल्याण की दिशा में योगदान देने तथा चीन को एक समृद्ध समाज बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

- **विधायी सुधार**

एनपीसी स्थायी समिति के कार्य रिपोर्ट ने विधायी ढांचे के विभिन्न परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि वायु प्रदूषण नियंत्रण कानूनों में नवीन प्रावधानों को शामिल करने के लिए इसमें संशोधन तथा विस्तार किया गया। इनका लक्ष्य अंतर-क्षेत्रीय तथा अंतर-सेक्टर सहयोगों में सुधार करना है। रिपोर्ट के अनुसार खाद्य सुरक्षा कानून, चिंता का कारण है, जिसमें संसोधन किया जा रहा है। चीन के आपराधिक कानून को 2015 के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून तथा आतंकवाद कानून के साथ समन्वित करने के लिए संशोधित किया गया था। स्थानीय पार्टी कांग्रेस में सुधार हेतु भी कुछ कदम उठाए गए। दस्तावेज में चीन की निचली प्रक्रिया में संविधान की केंद्रीयता स्थापित करने की एक सामान्य पुनरावृत्ति भी शामिल थी।

महत्त्वपूर्ण कानूनों में से एक हांगकांग विशिष्ट प्रशासनिक क्षेत्र के आधारभूत कानून के अनुच्छेद 104 की व्याख्या शासन के "एक देश-दो प्रणालियां" गवर्नेंस के मॉडल में बीजिंग की केंद्रीयता को अधिक मजबूत बनाना है। यह कहता है कि "पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चीन हॉन्गकॉन्ग के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के आधारभूत कानून को बनाए रखने तथा चीन के हॉन्गकॉन्ग के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की निष्ठा की शपथ लेता है"। ये केवल एक सटीक शब्द विन्यास नहीं है, जिसे अनुच्छेद 104 द्वारा निर्धारित शपथ में शामिल किया जाना चाहिए बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए जो चुनाव में खड़ा हो रहा हो, अथवा सार्वजनिक कार्यालय में स्थान रखता हो," के लिए एक कानूनी आवश्यकता तथा शर्त होनी चाहिए। बीजिंग तथा हॉन्गकॉन्ग नागरिक समाज का बड़ा हिस्सा 2013 के मध्य से मुख्य

कार्यकारी चुनाव के मुद्दे पर विवादों में रहा है। यद्यपि हॉन्गकॉन्ग नागरिक समाज में विस्फोट, छाता आंदोलन को देश की प्रतिरोधक क्षमता के माध्यम से सफलतापूर्वक समाप्त किया गया, जिसके कारण तनाव कम रहे। इसका महत्त्व हॉन्गकॉन्ग के मुख्य भूमि पर फिर से जुड़ने की 20वीं वर्षगांठ पर दिखता है। यह संशोधन बीजिंग को हॉन्गकॉन्ग के मुख्य कार्यकारी के नामांकन तथा चुनाव प्रक्रिया में अधिक प्रभावी बनाता है। इसके साथ ही दो नए चुने गए सांसदों को अयोग्य भी घोषित किया गया, जिन्होंने अपने शपथ के दौरान स्वतंत्रता के समर्थन में नारे लगाए। इस व्याख्या को सीपीपीसीसी द्वारा भी समर्थन दिया गया।

- **विकट आंतरिक तथा बाह्य पर्यावरण**

एनपीसी में पेश प्रीमियर की कार्य रिपोर्ट चीन के घरेलु आर्थिक परिदृश्य पर एक शोकयुक्त/उदास नोट प्रस्तुत करता है। इसके अनुसार (2016 में) घरेलु स्तर पर चीन को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा: प्रमुख संरचनात्मक समस्याएं, विशिष्ट जोखिम तथा खतरे एवं अर्थव्यवस्था कमजोर होने का दवाब। जैसे ही सुधार ने एक नाजुक अवस्था में प्रवेश किया, चीन ने खुद को एक जटिल परिस्थिति में पाया, क्योंकि जो गहन बदलाव आए उसने सामाजिक स्थिरता के मुद्दों को प्रभावित किया। उन्होंने चीन की घरेलू चुनौतियों को कठिन वैश्विक प्रवृतियों के साथ संदर्भित किया। "वैश्विक आर्थिक संवृद्धि मंद/सुस्त बना हुआ है तथा अवैश्वीकरण की प्रवृति तथा संरक्षणवाद बढ़ रहे हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों तथा उनके विस्तार के प्रभावों की दिशा में कई अनिश्चितताएं हैं तथा वैसे कारक जो अस्थिरता एवं अनिश्चितता का कारण बन सकते हैं, लगातार बढ़ रहे हैं। चीन अपने विकास के प्रयासों में एक संकटपूर्ण तथा चुनौतीपूर्ण चरण में है तथा अर्थव्यवस्था में मुख्य चुनौतियां तथा समस्याएं विद्यमान हैं।"

ली की कार्य रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि चीन रुपांतरण के एक अनिवार्य चरण से गुजर रहा है तथा यह चरण "तत्काल, प्रबल तथा जटिल है"।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यह रुपांतरण वादों से भरा हो सकता है किंतु यह बहुत परेशान करेगा। आगे उन्होंने कहा "हमें साहस के साथ आगे बढ़ना तथा कार्य करना चाहिए"। यह विशेष रूप से विभिन्न सुधारों के मामले में सच है, जिसे अनेक वादों के बावजूद बहुत कम हासिल किया गया है। इसमें राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में सुधार, प्रांतीय तथा स्थानीय सरकारों के लिए जीडीपी अनुपात समायोजन के लिए ऋण, आपूर्ति पक्ष सुधारों तथा समायोजनाओं में स्थानीय प्रतिरोध तथा संसाधन आवंटन तथा प्रबंधन में अधिक से अधिक बाजार की भूमिका निभाना शामिल है।

- **आर्थिक चुनौतियां तथा लक्ष्य**

आर्थिक मोर्च पर ली किकयांग ने घोषणा की, कि चीन की विकास दर लगभग 6.1 प्रतिशत रहेगी तथा अधिक भी हो सकती है। पिछले वर्ष की कार्य रिपोर्ट में, अनुमानित विकास दर 6.5 से 7.0 प्रतिशत के मध्य रखी गई थी जबकि वास्तविकता में ये दर 6.7 प्रतिशत थी। विगत वर्ष के तीन विषयों, अधिक्षमता कम करने की आवश्यकता, कॉरपोरेट क्षेत्र के प्रभाव को कम करना तथा सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओईज) का पुनर्गठन, दोहराया गया। साथ ही बढ़ते हुए रोजगार के दबावों के कारण कुछ इकाईयों को बंद करने की सामान्य स्थानीय अनिच्छा को देखते हुए, उन लक्ष्यों को अधिक विनम्र बनाने का प्रावधान है। इस “प्रकार प्रगति की मांग, जबकि स्थिरता को बनाए रखना” अर्थव्यवस्था का केंद्रीय संदेश है। वर्ष 2017 में ध्यान देने योग्य कुल पांच आवश्यक क्षेत्रों की पहचान की गई। ये हैं-अधिक्षमता की कमी, लक्षित नीतियों द्वारा आवास अनुसूची को कम करना, कॉरपोरेट क्षेत्र का प्रभाव कम करना, लघु उद्यमों तथा उत्पादकों को मदद देने के लिए कर तथा शुल्क में कमी लाना तथा सार्वजनिक सेवा वितरण, बुनियादी ढ़ांचे, नवाचार चालित विकास तथा पर्यावरण स्थिरता जैसे क्षेत्रों में समग्र कमजोरियों को कम करना।

ली की कार्यवाही रिपोर्ट व्यापक रूप से राजकोषीय सुधारों की आवश्यकता पर केंद्रित है। वित्तीय जवाबदेही, पारदर्शिता तथा वाणिज्यिक बैंकों की चिंताएं एवं गैर

निष्पादित संपत्ति, अनुबंधित व्यतिक्रम (बॉन्ड डिफॉल्टिंग), छाया बैंकिंग तथा इंटरनेट वित्तपोषण को संभावित खतरों के रूप में उल्लेखित किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि वित्तिय जोखिमों के विरुद्ध फायर वॉल बनाने की आवश्यकता है, जो समस्या की गहराई तथा प्रसार को उजागर करती है तथा वित्तीय मंदी की संभावित डोमिनोज के प्रभावों को दर्शाती है।

2017 के लिए अनुमानित सरकारी घाटा 2.38 ट्रिलियन युआन होगा, जबकि 2016 में 2.18 ट्रिलियन युआन था, जो 2016 की तुलना में घाटे में 200 बिलियन युआन की वृद्धि बताता है। दूसरे शब्दों में घाटे से जीडीपी अनुपात तीन प्रतिशत के बराबर होगा, इसके लिए कर तथा फीस में कटौती को कारण बताया गया है।

ग्रामीण विकास, गरीबी में कमी तथा ग्रामीण आय में वृद्धि एवं कृषि उन्नयन ध्यान देने योग्य अन्य क्षेत्र हैं। ये वैसे क्षेत्र माने जाते हैं, जिनमें सुधारों को गंभीर प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। ग्रामीण अवसंरचना, ग्रामीण चीन में विद्यमान सड़कों के नेटवर्क का निर्माण तथा उन्नयन एवं गहन रूप से इंटरनेट का प्रवेश 2017 के लिए प्रमुख कार्य हैं।

अनुसंधान को प्रोत्साहित तथा प्रेरणादायक बनाना कार्य रिपोर्ट की अन्य विशेषता है। सुधार तथा अनुसंधान केवल दो तरीके हैं, जिनके माध्यम से चीन आगे बढ़ सकता है। ये संदेश चीन में सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों की पुरानी अर्थव्यवस्था के लिए भी है। 'सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों में सुधार' ली-सी प्रशासन में जोर-शोर से प्रचार करने वाले वाक्यांश हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में बहुत कम परिवर्तन आया है। कार्य रिपोर्ट सूची, नवाचार संचालित विकास को चीन में आर्थिक विकास को अगले स्तर पर लाने के लिए महत्त्वपूर्ण मानता है। अनुसंधान की मदद से चीन लंबे समय तक मध्य आय जाल वाले दंश से बाहर निकल सकेगा। यही कारण है कि स्टार्ट अप्स, अनुसंधान तथा उष्मायन सुविधा पर ही ध्यान केन्द्रित किया गया है।

- **फोकस क्षेत्र के रूप में रोजगार निर्माण तथा घरेलु खपत की वृष्टि**

आर्थिक मंदी के प्रवेश के दौर से रोजगार सृजन सरकार के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक हैं। इसके लिए झी-ली प्रशासन ने रोजगार सृजन के प्रति एक सक्रिय नीति का वादा किया है तथा नवीन रोजगार सृजन के प्रति एक सक्रिय नीति का वादा किया है, जिसका लक्ष्य 11 मिलियन रखा है, जो पिछले वर्ष से 1 मिलियन अधिक है। इसे कार्य रिपोर्ट में सूचीबद्ध लक्ष्य के अन्य सेटों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उदाहरण के लिए घरेलु खपत में वृद्धि की आवश्यकता है तथा सेवा उपभोग के विकास को भी गति देने की आवश्यकता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सूचीबद्ध उद्देश्यों में ग्रामीण चीन में बुजुर्गों की देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल, शैक्षिक सेवाओं, घरेलू पर्यटन तथा छुट्टियां, सवैतनिक छुट्टियां तथा ई कॉमर्स के विस्तार जैसे सेवा क्षेत्र में विभिन्न सुधार शामिल हैं।

कमजोरियों को इंगित करते हुए एक क्षेत्र में ग्रामीण विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य रिपोर्ट में बताया गया कि सरकार के कार्यों में एक प्रमुख कार्य अंदरूनी तथा बाह्य कार्यों के लिए मजदूरों का निर्यात करना है। इसका अर्थ बेल्ट एंड रोड इनिशियेटिव की सफलता तथा इसके लिए श्रम बाजारों की प्रकृति को भी इंगित करना है। बाहरी अनुबंधों तथा मेगा प्रोजेक्ट्स चीन के घरेलू रोजगार चुनौतियों को संबोधित करने के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं। भविष्य में भी बीआरआई प्रोजेक्टस ऐसी समस्या के समाधान में महत्त्वपूर्ण होंगे।

- **सरकारी व्यय को कम करना**

कार्य रिपोर्ट में किये गए वादों में से एक सरकारी यात्रा वाहनों तथा आतिथ्य पर सरकारी व्यय कम करने का निर्देश भी है। ये प्रावधान पार्टी केंद्रीय समिति के 8 सूत्री निर्णय के अनुपालन में है, जिसमें पार्टी तथा सरकार के आचरण में सुधार की बात कही गई है। शी ने सीसीपी के क्रियाकलापों में औपचारिकता, नौकरशाही, सुखवार, तथा अपव्यय को भी संबोधित किया है। यह नीति निर्देश राष्ट्रपति शी द्वारा उल्लेखित चार आकांक्षाओं के अनुरूप है। अर्थात व्यापक रूप से समृद्ध

समाज का निर्माण: व्यापक रूप से गहन सुधार: कानून के अनुसार राष्ट्र का व्यापक शासन तथा कम्यूनिस्ट पार्टी द्वारा सख्ती से शासन करना है। ये चार सिद्धांत चीन के ड्रीम उपलब्धि के लिए महत्त्वपूर्ण हैं तथा यही कारण है कि इनका महत्त्व है।

इसी प्रकार की चिंताओं को केंद्रीय तथा स्थानीय बजट की रिपोर्ट में भी व्यक्त किया गया था। उद्यमों को अनुदान, स्थानीय कर्ज तथा इनके समायोजन हेतु सब्सिडी मुख्य बिंदु थे। 2017 में संबोधित किये जाने वाले प्राथमिकताओं के क्षेत्रों में शामिल हैं, अधिसमता को संबोधित करना, विस्तृत सूची को कम करना, कम लागत वाले तथा कमजोर क्षेत्रों को मजबूत करना। इसमें पारिस्थितिक संरक्षण, कम लागत वाले आवास शिक्षा जैसी नीतियों पर खुशी व्यक्त की गई तथा व्यवसाय को सरल बनाने हेतु कर तथा राज्यकोषीय सुधारों को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया गया। नए वित्त पोषण समर्थन की पहल जैसे अनुसंधान, पारंपरिक उद्योगों के परिवर्तन तथा सेवा क्षेत्र के विकास तथा संचार जैसे आधारभूत ढांचे के लिए घोषणा की गई। सामाजिक आर्थिक विकास पर राष्ट्रीय योजना में समान प्राथमिकताओं को व्यक्त किया गया है।

- **चीन तथा विश्व**

चुनौतियों के आधार पर चीन के विश्व के साथ संबंध विभिन्न आयामों में वर्गीकृत हैं। जैसे, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अवैश्वीकरण परक प्रवृति एवं सामुद्रिक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में निर्दिष्ट है कि चीन अपने सामूहिक अधिकारों एंव हितों की रक्षा करेगा। विश्व के प्रति चीन के खुले दृष्टिकोण की बात प्राय: बीआरआई को देखकर एवं सहदेशों की पारस्परिक क्षमता को ध्यान में रखकर किये गए साझा वार्तालाप को मद्देनजर रखते हुए किया जा सकता है। साथ ही चीन अपनी वस्तुओं के तकनीकी मानकों एवं सेवाओं के निर्यात संवर्धन पर भी बात करता है।

निरंतरता एवं विदेशी व्यापार का विस्तार एक अन्य सूचीबद्ध प्राथमिकता है। इसी तरह मेड इन चाइना 2025 पहल तथा निवेश में आसानी एवं विदेशी निवेशकों के

लिए बेहतर वातावरण अन्य प्राथमिकताएं हैं। इस खंड में एक बार फिर आर्थिक वैश्वीकरण की निरंतरता पर बल दिया गया है। यह क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) पर वार्ता के जल्द से जल्द समापन तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र के मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीएएपी) के विकास के साथ अन्य प्रासंगिक द्विपक्षीय निवेश तथा व्यापार समझौते की चर्चा करता है।

8 मार्च 2017 के वांग यी के संवाददाता सम्मेलन में इनमें से कुछ मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बीआरआई परियोजना विश्व के लिए है तथा यह आर्थिक वैश्वीकरण के पुनर्संतुलन में मदद करेगा। अमेरिका-चीन संबंधों पर उन्होंने आशा जताई तथा कहा कि उनके द्विपक्षीय संबध स्थाई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा एक चीन के सिद्धांत की पुष्टि एक नई पहल है तथा इस सम्बंध को आगे बढ़ाने पर आम सहमति है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रगति एवं अनेकत्व के इस युग में मतभेदों से ऊपर उठने की तथा समान उद्देश्यों के लिए साथ काम करने की आवश्यकता है। 18वीं पार्टी कांग्रेस के बाद से उन्होंने चीन की प्रमुख कूटनीतिक नीतियों एवं उपलब्धियों को भी उद्धृत किया तथा शी जिनपिंग को मुख्य नेता के रूप में भी स्थापित करने की बात दोहराई। कोरिया प्रायद्वीप की सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने द्विसूत्री सिद्धांत के बारे में कहा कि डीपीआर अपनी समस्त मिसाइल तथा परमाणु गतिविधियों को रोक दे तथा दूसरी ओर अमेरिका तथा कोरियाई रिपब्लिक अपने समस्त युद्धाभ्यास रोक दे।

- **निष्कर्ष**

संतुलित तथा समावेशी विकास हासिल करना बीजिंग में क्रमिक सरकारों का उद्देश्य रहा है। वर्क रिपोर्ट एवं नेताओं के भाषणों में बार-बार चीन में बढ़ती असमानता एवं बढ़ती आर्थिक चुनौतियों की चेतावनी दी गई है। सुधार तथा आर्थिक स्थिरता के बड़े वादों के साथ शी-ली प्रशासन ने 2012-13 में अपने शासन की शुरुआत की थी। हालांकि इस वर्ष का कार्य रिपोर्ट पढ़ने से पता चलता है कि वृद्धिशीलता अब भी चीन में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है

तथा शी-ली प्रशासन से अपेक्षित बड़े सुधार दूर-दूर तक नहीं देखे जा सके हैँ। आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं तथा कार्य रिपोर्ट उन चुनौतियों को दूर करने के लिए बनाई गई है। विभिन्न हितधारकों से केंद्रीय नेतृत्व का साथ देने एवं दीर्घकालीन समृद्धि हेतु अल्पकालिक मुश्किलों को सहने की अपील है। बीजिंग व्यापाक आर्थिक सुधारों और विभिन्न एसओई संबंधित सुधारों पर जोर दे रहा है। इसी तरह घरेलू ऋणों का पुनर्गठन चीन के समक्ष महत्त्वपूर्ण आर्थिक चुनौतियों में एक है। यह देखा जाना अभी बाकी है कि इस मुद्दे से कैसे निपटा जा सकता है।

बाह्य रूप से बीआरआई पहल पर कुछ आशाएं हैं। हालांकि इसकी व्यवहार्यता को लेकर संदेह कायम है। चीन की विदेश नीति बीआरआई को अपने पड़ोस में विकास की चुनौतियां के लिए रामबाण के रूप में पेश करती है। ट्रम्प प्रशासन के साथ चीन के कामकाज बेहतर होने लगे हैं। यद्यपि कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव जैसे मसलों पर अब भी असहमति बनी हुई है।

***

*डॉक्टर अविनाश गोडबोले विश्व मामलों की भारतीय परिषद, नई दिल्ली में शोध अध्येता हैं

* डिस्क्लेमर: आलेख में प्रस्तुत विचार शोध अध्येता के निजी विचार हैं तथा परिषद के विचारों को प्रतिबिम्बित नहीं करते